दिल्ली पब्लिक स्कूल जामनगर

विषय: हिंदी

कक्षा: 7/8

शिक्षिका- डॉ. मधु मिश्रा

संपर्क सूत्र: 8200347633

संवाद-लेखन

संवाद-लेखन का, यही है मूल मंत्र।
लेखन भलीभाँति समझ लेंगे, तो पाएँगे पाँच अंक॥

संवाद-लेखन:

किसी विषय पर दो या दो से अधिक व्यक्तियों के मध्य हुए वार्तालाप या संभाषण को संवाद कहते हैं।

वक्ता

श्रोता

लेखन करते समय ध्यान देने योग्य बातें-

- संवाद छोटे, सहज तथा स्वाभाविक हों।
- संवाद बोलने वाले का नाम संवादों के आगे लिखा होना चाहिए।
- रोचकता एवं सरसता हो।
- इनकी भाषा सरल, स्वाभाविक और बोलचाल के निकट होनी चाहिए। क्लिष्ट तथा अप्रचलित शब्दों का प्रयोग न करें।
- प्रसंग के अनुसार संवादों में व्यंग्य-विनोद का समावेश होना चाहिए।

- संवाद जिस विषय या स्थिति के संबंध में हों, उसे क्रमशः स्पष्ट करने वाले हों।
- यथास्थान मुहावरों तथा लोकोक्तियों के प्रयोग करने चाहिए।
- संवाद के बीच किसी नए व्यक्ति का आगमन होता है तो उसका वर्णन कोष्टक में करना चाहिए।
- यदि संवाद बहुत लम्बे चलते हैं और बीच में स्थान परिवर्तन होता है तो उसे दृश्य एक और दो में बाँटना चाहिए।

प्रश्न: स्वच्छता अभियान की सफ़लता के बारे में दो मित्रों के बीच हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

परीक्षित: अरे विराट! इतनी जल्दी-जल्दी कहाँ चले जा रहे हो?

विराट: कहीं नहीं बस आज मेरे विद्यालय के सभी विद्यार्थी स्वच्छता अभियान हेतु एक झुग्गी-झोपड़ी बस्ती में जा रहे हैं।

परीक्षित: शाबाश मित्र! परंतु इन इलाकों में सफ़ाई करना काफ़ी मुश्किल होगा।

विराट: मुश्किल तो है परंतु इन्हीं इलाकों में सबसे ज्यादा स्वच्छता के प्रति जागरूकता की आवश्यकता है। अन्य सभी जगहों पर लोग काफी जागरूक हो चुकें हैं।

परीक्षित: तुमने ठीक ही कहा, स्वच्छता अभियान ने बहुत जल्दी ही देश भर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है।

विराट: देखना 2021 तक देश भर में लोग इस आंदोलन का हिस्सा बन जाएँगे और बढ़-चढ़कर इसमें भाग लेंगे।

आशा करती हूँ कि आपके हाथों राजभाषा / मातृभाषा / मानकभाषा / संपर्कभाषा हिंदी की सेवा होती रहेगी।

धन्यवाद
हिन्दी सिनेमा के 100 वर्ष
जिन्हें मैंने जाना
हिन्दी सिनेमा का बदलता रूप
वाह उस्ताद!
गिजुभाई संचयन
गुरु दत्त के साथ एक दशक
हिन्दी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहास
बात निकलेगी तो फिर
माता-पिता : अपेक्षाएँ और प्रश्न
कथा-कहानी का शास्त्र